इकाई-2 Date:- 28.05.2020

Topic:- गणित मे सीखने की योजना : क्यो आवश्यक है।

Ans→ ऑख मूंदकर पाठ्य-पुस्तक की लीक पर चलने से बचने का एक पक्का तरीका यह होगा कि इकाई व पाठ योजना बनाए जाए। हर इकाई का मतलब किसी एक विषय या एक अध्याय से होता है। इकाई को एक या ज्यादा पाठों मे बाँटा जाता है। जैसे 'मिल्क' एक इकाई होगी और इस इकाई मे पास आसपास की अवधारणा पर हो सकता है, इस पाठ अलग-अलग तरह को मिल्कों पर, एक पाठ मिल्कों के जोड़ पर, इत्यादि। यानि एक इकाई मे एक या ज्यादा पाठ हो सकते है और एक साल मे कई इकाई पढ़ाई जाएगी। इस तरह के विभाजन का सीखने की योजना में बहुत महत्व है। इसे हम तिन्न प्रकार समझ सकते है—

(i) साल की योजना :-

स्कूली वर्ष की शुरुआत मे शिक्षको को यह जानना होगा कि वे बच्चो को कितना गणितीय ज्ञान हासिल करवाना चाहते है। इसके लिए बच्चों की पृष्ठभूमि किए गए पाठ्यक्रम के अपेक्षित लक्ष्य और एन.सी.ई.आर.टी के न्यूनतम अधिगम स्तर तामक दस्तावेज को ध्यान मे रखना पड़ेगा। पहले तो ये तय करने की जरूरत है कि साल के आखिर तक बच्चों को कितना सीख लेना चाहिए, फिर गणितीय अवधारणाओं को सिखाने के हिसाब से क्रमबद्ध करना होगा। चूंकि स्कूल आम तौर पर एक साल को तीन सत्रो मे बाँटते है, इसलिए योजना का अगला स्तर यह होगा कि तीनो सत्रो मे पढ़ाए जाने वाली विषयवस्तु के लिए जरूरी समय तय कर लिया जाए। इससे शिक्षकों को इन सारी गणितीय अवधारणाओं को शामिल करने मे मदद मिलेगी जिन्हे वे समझते है कि बच्चों की पृष्टभूमि को ध्यान मे रखते हुए शामिल की जानी चाहिए।

(ii) इकाई योजना :-

गणित की किसी नई इकाई को पढ़ाने की योजना बनाने के लिए सबसे पहले शिक्षको को गणितीय अवधारणाएँ, प्रमेय, सिद्धांत, प्रक्रियाएँ आदि पता होने चाहिए कि इन सबको विद्यार्थियो तक पहुँचाने का सबसे अच्छा तरीका क्या होगा? इसके लिए शिक्षको को हर इकाई का गहराई से विश्लेषण करके यह पता लगाना होगा कि उसके हर हिस्से के सिखाने के लक्ष्य क्या है। उन्हे यह सोचना होगा कि हर

P.T.O

Scanned with CamScanner

अवधारणा या कौशल को सीखने के लिए बच्चों को किन, अनुभवों, सामग्रियों और गतिविधियों की जरूरत होगी। योजना बनाते ~~~~ वक्त यह बहुत जरूरी है कि शिक्षक तय कर ले कि इकाई के किस हिस्से को कितना समय देना है। जैसे कि समय के मापन संबंधी इकाई की योजना बनाते वक्त शिक्षक इच्छित लक्ष्यों को रूपरेखा बनाएंगे, यह तय करेंगे कि कौन-कौन सी बातें पढ़ाई जानी है। (जैसे- समय का कोई क्षण, समय का अन्तराल, मापन की इकाई आदि) किस क्रम में इन्हें पढ़ाया जाना है और हर बात पर कितना समय लगाएंगे। इस प्रकार इकाई योजना बनाना आवश्यक है जिससे शिक्षक यह देख पाने की स्थिति में हो कि इस इकाई का कितना हिस्सा कितने दिन में पढ़ाया संभव है।

(iii) पाठ की योजना :-

पाठ योजना किसी एक इकाई के एक पाठ के शिक्षण की योजना होती है। इसमें योजना इस तरह भी बना सकते हैं कि कक्षा में अलग-अलग समूह अलग-अलग विषय-वस्तु का अभ्यास करें। ऐसी गतिविधियाँ भी आयोजित की जा सकती है। जिनमें सारे बच्चे भाग ले सकें, चाहे उनकी जानकारी का स्तर अलग-अलग क्यों न हो। यह सब संरचना पाठ की योजना बनाने का हिस्सा है। पाठ की योजना बनाने में निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखा जाता है—

⇒ पाठ के उद्देश्य स्पष्ट और पर सामने रखें।
⇒ जिन बातों को पहले से जानना जरूरी है उन्हें पता करें।
⇒ क्रम तय करें।
⇒ कार्य पद्धति तय करें।
⇒ यह तय करें कि पाठ के हर हिस्से पर कितना वक्त लगाएंगे।
⇒ मूल्यांकन का तरीका तय करें।
⇒ पाठ की योजना को लिखें — योजना को लिख लेने से कई बातों को स्पष्ट करने का मौका मिलेगा और यह एक रिकार्ड भी रहेगा। इसका इस्तेमाल बच्चों के और खुद अपने काम के मूल्यांकन के लिए कर सकते हैं और आगे के पाठों की योजना बनाते समय भी यह काम आएगा।

END

Scanned with CamScanner